Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

License Information

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

ISA

यशायाह 1:1, यशायाह 1:1 (#2), यशायाह 1:1 (#3), यशायाह 1:2, यशायाह 1:2 (#2), यशायाह 1:2 (#3), यशायाह 1:4, यशायाह 1:4 (#2), यशायाह 1:7, यशायाह 1:9, यशायाह 1:11, यशायाह 1:14, यशायाह 1:15, यशायाह 1:16–17, यशायाह 1:19, यशायाह 1:20, यशायाह 1:21, यशायाह 1:21 (#2), यशायाह 1:24, यशायाह 1:29, यशायाह 1:31, यशायाह 2:1, यशायाह 2:2, यशायाह 2:2 (#2), यशायाह 2:3, यशायाह 2:4, यशायाह 2:4 (#2), यशायाह 2:5, यशायाह 2:6, यशायाह 2:6 (#2), यशायाह 2:10, यशायाह 2:11, यशायाह 2:11 (#2), यशायाह 2:18, यशायाह 2:19, यशायाह 2:22, यशायाह 3:1, यशायाह 3:4, यशायाह 3:5, यशायाह 3:8, यशायाह 3:9, यशायाह 3:10, यशायाह 3:11, यशायाह 3:12, यशायाह 3:14, यशायाह 3:17, यशायाह 3:25, यशायाह 4:1, यशायाह 4:3, यशायाह 4:4, यशायाह 4:5, यशायाह 5:1, यशायाह 5:1 (#2), यशायाह 5:2, यशायाह 5:2 (#2), यशायाह 5:3, यशायाह 5:5–6, यशायाह 5:7, यशायाह 5:7 (#2), यशायाह 5:7 (#3), यशायाह 5:9, यशायाह 5:13, यशायाह 5:16, यशायाह 5:16 (#2), यशायाह 5:24, यशायाह 5:26, यशायाह 5:26 (#2), यशायाह 6:1, यशायाह 6:2, यशायाह 6:4, यशायाह 6:5, यशायाह 6:7, यशायाह 6:8, यशायाह 6:8 (#2), यशायाह 6:9, यशायाह 6:11–12, यशायाह 7:1, यशायाह 7:1 (#2), यशायाह 7:2, यशायाह 7:3, यशायाह 7:3–4, यशायाह 7:5–6, यशायाह 7:8, यशायाह 7:9, यशायाह 7:12, यशायाह 7:13, यशायाह 7:17, यशायाह 7:20, यशायाह 7:23–25, यशायाह 8:1, यशायाह 8:2, यशायाह 8:3–4, यशायाह 8:12, यशायाह 8:13, यशायाह 8:14, यशायाह 8:16–18, यशायाह 8:19, यशायाह 8:19 (#2), यशायाह 8:20, यशायाह 8:21, यशायाह 8:22, यशायाह 9:1, यशायाह 9:1 (#2), यशायाह 9:1 (#3), यशायाह 9:2, यशायाह 9:6, यशायाह 9:7, यशायाह 9:7 (#2), यशायाह 9:9–10, यशायाह 9:11–12, यशायाह 9:12, यशायाह 9:13, यशायाह 9:15, यशायाह 9:17, यशायाह 9:17 (#2), यशायाह 9:19, यशायाह 9:21, यशायाह 9:21 (#2), यशायाह 10:5, यशायाह 10:6, यशायाह 10:7, यशायाह 10:12, यशायाह 10:13, यशायाह 10:16, यशायाह 10:18, यशायाह 10:20, यशायाह 10:24–25, यशायाह 10:27, यशायाह 11:1, यशायाह 11:2, यशायाह 11:2 (#2), यशायाह 11:4, यशायाह 11:4 (#2), यशायाह 11:9, यशायाह 11:9 (#2), यशायाह 11:11, यशायाह 11:13, यशायाह 11:13 (#2), यशायाह 11:14, यशायाह 11:15, यशायाह 11:15 (#2), यशायाह 12:1, यशायाह 12:1–2, यशायाह 12:5, यशायाह 13:1, यशायाह 13:3, यशायाह 13:5, यशायाह 13:5 (#2), यशायाह 13:7–8, यशायाह 13:9–10, यशायाह 13:12, यशायाह 13:17, यशायाह 13:19–20, यशायाह 13:21, यशायाह 13:22, यशायाह 14:1, यशायाह 14:1 (#2), यशायाह 14:2, यशायाह 14:2 (#2), यशायाह 14:3–4, यशायाह 14:4, यशायाह 14:6, यशायाह 14:10–11, यशायाह 14:12, यशायाह 14:13–14, यशायाह 14:20, यशायाह 14:22, यशायाह 14:25, यशायाह 14:29–30, यशायाह 14:32, यशायाह 14:32 (#2), यशायाह 15:1, यशायाह 15:1 (#2), यशायाह 15:5, यशायाह 15:9, यशायाह 15:9 (#2), यशायाह 16:1, यशायाह 16:2, यशायाह 16:3–4, यशायाह 16:5, यशायाह 16:12, यशायाह 16:14, यशायाह 16:14 (#2), यशायाह 17:1, यशायाह 17:3, यशायाह 17:4, यशायाह 17:7, यशायाह 17:9, यशायाह 17:13, यशायाह 17:14, यशायाह 18:1, यशायाह 18:2, यशायाह 18:3, यशायाह 18:5, यशायाह 18:6–7, यशायाह 19:1, यशायाह 19:1–2, यशायाह 19:2, यशायाह 19:4, यशायाह 19:5, यशायाह 19:10, यशायाह 19:11, यशायाह 19:14, यशायाह 19:16, यशायाह 19:18, यशायाह 19:19, यशायाह 19:23, यशायाह 19:24, यशायाह 20:1, यशायाह 20:1 (#2), यशायाह 20:2, यशायाह 20:3–4, यशायाह 20:5–6, यशायाह 21:2, यशायाह 21:2 (#2), यशायाह 21:3–4, यशायाह 21:6, यशायाह 21:7, यशायाह 21:9, यशायाह 21:13, यशायाह 21:14, यशायाह 21:14 (#2), यशायाह 21:16–17, यशायाह 22:1, यशायाह 22:1 (#2), यशायाह 22:2, यशायाह 22:2 (#2), यशायाह 22:3, यशायाह 22:4, यशायाह 22:6, यशायाह 22:7, यशायाह 22:8, यशायाह 22:12, यशायाह 22:12–13, यशायाह 22:14, यशायाह 22:15–16, यशायाह 22:17–19, यशायाह 22:20–21, यशायाह 22:25, यशायाह 23:1, यशायाह 23:1 (#2), यशायाह 23:3, यशायाह 23:5, यशायाह 23:8–9, यशायाह 23:9, यशायाह 23:15, यशायाह 23:17, यशायाह 23:18, यशायाह 23:18 (#2), यशायाह 24:1, यशायाह 24:5, यशायाह 24:6, यशायाह 24:13, यशायाह 24:14, यशायाह 24:16, यशायाह 24:21, यशायाह 24:22, यशायाह 24:23, यशायाह 25:1, यशायाह 25:2, यशायाह 25:3, यशायाह 25:6–7, यशायाह 25:8, यशायाह 25:9, यशायाह 25:10, यशायाह 26:1, यशायाह 26:1 (#2), यशायाह 26:2, यशायाह 26:4, यशायाह 26:5–6, यशायाह 26:8, यशायाह 26:9, यशायाह 26:10, यशायाह 26:12, यशायाह 26:13–14, यशायाह 26:16, यशायाह 26:19, यशायाह 26:20, यशायाह 26:21, यशायाह 27:1, यशायाह 27:2–3, यशायाह 27:4–5, यशायाह 27:6, यशायाह 27:9, यशायाह 27:11, यशायाह 27:12, यशायाह 27:13, यशायाह 28:1, यशायाह 28:1 (#2), यशायाह 28:2, यशायाह 28:2 (#2), यशायाह 28:4, यशायाह 28:5–6, यशायाह 28:7, यशायाह 28:7 (#2), यशायाह 28:11, यशायाह 28:12, यशायाह 28:13, यशायाह 28:15, यशायाह 28:16, यशायाह 28:16 (#2), यशायाह 28:17, यशायाह 28:18, यशायाह 28:22, यशायाह 29:1, यशायाह 29:3–4, यशायाह 29:5, यशायाह 29:7, यशायाह 29:10, यशायाह 29:10 (#2), यशायाह 29:13, यशायाह 29:14, यशायाह 29:17, यशायाह 29:18, यशायाह 29:19, यशायाह 29:20, यशायाह 29:23, यशायाह 29:24, यशायाह

30:1, यशायाह 30:2, यशायाह 30:3, यशायाह 30:7, यशायाह 30:8, यशायाह 30:9, यशायाह 30:10, यशायाह 30:15, यशायाह 30:16, यशायाह 30:16 (#2), यशायाह 30:17, यशायाह 30:18, यशायाह 30:18 (#2), यशायाह 30:20, यशायाह 30:22, यशायाह 30:26, यशायाह 30:30, यशायाह 30:31, यशायाह 30:32, यशायाह 30:33, यशायाह 30:33 (#2), यशायाह 40:2, यशायाह 40:3, यशायाह 40:4, यशायाह 40:5, यशायाह 40:8, यशायाह 40:9, यशायाह 40:10, यशायाह 40:10 (#2), यशायाह 40:15, यशायाह 40:22, यशायाह 40:23, यशायाह 40:26, यशायाह 40:28, यशायाह 40:29, यशायाह 40:31, यशायाह 41:1, यशायाह 41:4, यशायाह 41:5–7, यशायाह 41:8–9, यशायाह 41:9, यशायाह 41:10, यशायाह 41:10 (#2), यशायाह 41:11, यशायाह 41:16, यशायाह 41:17–18, यशायाह 41:21, यशायाह 41:22, यशायाह 41:24, यशायाह 41:25–26, यशायाह 41:27, यशायाह 41:28–29, यशायाह 42:1, यशायाह 42:1 (#2), यशायाह 42:3, यशायाह 42:5, यशायाह 42:7, यशायाह 42:8, यशायाह 42:9, यशायाह 42:13, यशायाह 42:16, यशायाह 42:17, यशायाह 42:18, यशायाह 42:20, यशायाह 42:22, यशायाह 42:24, यशायाह 42:24 (#2), यशायाह 42:25

यशायाह 1:1

यशायाह कौन थे?

यशायाह आमोस के पुत्र थे।

यशायाह 1:1 (#2)

यशायाह का दर्शन किस विषय में था?

यशायाह का दर्शन यहूदा और यरूशलेम के विषय में था।

यशायाह 1:1 (#3)

यशायाह ने अपना दर्शन कब पाया?

यशायाह ने अपना दर्शन उज्जियाह, योताम, आहाज, और हिजकिय्याह नामक यहूदा के राजाओं के दिनों में पाया।

यशायाह 1:2

स्वर्ग को सुनना और पृथ्वी को कान लगाना क्यों चाहिए?

स्वर्ग को सुनना और पृथ्वी को कान लगाना चाहिए क्योंकि यहोवा ने कहा हैं।

यशायाह 1:2 (#2)

यहोवा ने क्या किया है?

उन्होंने बाल-बच्चों का पालन-पोषण किया, और उनको बढ़ाया हैं

यशायाह 1:2 (#3)

यहोवा के बाल-बच्चों ने क्या किया है?

उन्होंने यहोवा से बलवा किया है।

यशायाह 1:4

जाति का वर्णन कैसे किया गया है?

उन्हें पाप से भरी, अधर्म से लदा हुआ समाज, कुकर्मी वंश और बिगड़े हुए बाल-बच्चे के रूप में वर्णित किया गया है।

यशायाह 1:4 (#2)

जाति ने क्या किया है?

उन्होंने यहोवा को छोड़ दिया, इस्राएल के पवित्र को तुच्छ जाना और पराए बनकर दूर हो गए हैं।

यशायाह 1:7

उनके देश और नगर की दशा कैसी है?

उनका देश उजड़ा पड़ा है और उनके नगर भस्म गए हैं।

यशायाह 1:9

यहोवा ने उनके क्या बचा रखा हैं?

उन्होंने उनके थोड़े से लोगों को बचा रखा हैं।

यशायाह 1:11

किस बात से यहोवा प्रसन्न नहीं होते?

वे बछड़ों या भेड़ के बच्चों या बकरों के लहू से प्रसन्न नहीं होते।

यशायाह 1:14

यहोवा किनसे बैर करते हैं?

वह उनके नये चाँदों और नियत पर्वों के मानने से बैर करते हैं

यशायाह 1:15

यहोवा उनकी प्रार्थनाएँ क्यों नहीं सुनेंगे?

वे नहीं सुनेंगे क्योंकि उनके हाथ खून से भरे हैं।

यशायाह 1:16–17

यहोवा उनसे क्या करने के लिये कहते हैं?

यहोवा उनसे कहते हैं कि वे बुराई करना छोड़ दे; भलाई करना सीखें; यत्न से न्याय करें, उपद्रवी को सुधारे, अनाथ का न्याय चुकाए और विधवा का मुकद्दमा लड़े।

यशायाह 1:19

देश के उत्तम से उत्तम पदार्थ खाने के लिये उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें आज्ञाकारी होकर मानना चाहिए।

यशायाह 1:20

यदि वे न माने और बलवा करें तो क्या होगा?

वे तलवार से मारे जायेंगे।

यशायाह 1:21

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, वह व्यभिचारिणी बनने से पहले कैसी थी?

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, वह न्याय से भरी थी और उसमें धार्मिकता पाया जाता था।

यशायाह 1:21 (#2)

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, उसमें क्या पाए जाते हैं?

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, उसमें हत्यारे ही पाए जाते हैं।

यशायाह 1:24

यहोवा क्या करेंगे?

वे अपने शत्रुओं को दूर करके शान्ति पाएँगे।

यशायाह 1:29

किस बात से वे लज्जित होंगे और उनके मुँह काले होंगे?

वे जिन बांजवृक्षों से प्रीति रखते थे उनसे वे लज्जित होंगे, और जिन बारियों से वे प्रसन्न रहते थे, उसके कारण उनके मुँह काले होंगे।

यशायाह 1:31

बलवान और उसके काम का क्या होगा?

वे दोनों एक साथ जलेंगे।

यशायाह 2:1

यशायाह ने जो वचन दर्शन में पाए, वह किसके विषय में था?

यशायाह ने जो वचन दर्शन में पाए, वह यहूदा और यरूशलेम के विषय में था।

यशायाह 2:2

अन्त के दिनों में क्या होगा?

अन्त के दिनों में यहोवा के भवन का पर्वत दृढ़ किया जाएगा।

यशायाह 2:2 (#2)

यहोवा के भवन की ओर कौन चलेंगे?

हर जाति के लोग धारा के समान उसकी ओर चलेंगे।

यशायाह 2:3

बहुत देशों के लोग यहोवा के पर्वत पर क्यों चढ़ेंगे?

वे यहोवा के मार्गों को सीखने के लिये पर्वत पर चढ़ेंगे।

यशायाह 2:4

यहोवा जाति-जाति और देश-देश के लोगों के लिये क्या करेंगे?

यहोवा उनका न्याय करेंगे और झगड़ों को मिटाएँगे।

यशायाह 2:4 (#2)

जाति क्या नहीं करेगी?

एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध फिर तलवार न चलाएगी और न युद्ध की विद्या सीखेंगे।

यशायाह 2:5

याकूब के घराने को क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें यहोवा के प्रकाश में चलने के लिये कहा गया है।

यशायाह 2:6

यहोवा ने क्या किया है?

उन्होंने अपनी प्रजा याकूब के घराने को त्याग दिया है।

यशायाह 2:6 (#2)

यहोवा ने याकूब के घराने को क्यों त्याग दिया है?

उन्होंने उन्हें त्याग दिया है क्योंकि वे पूर्वजों के व्यवहार पर तन मन से चलते और पलिश्तियों के समान टोना करते हैं, और परदेशियों के साथ हाथ मिलाते हैं।

यशायाह 2:10

याकूब के घराने को चट्टान में क्यों घुसना चाहिए और मिट्टी में क्यों छिपना चाहिए?

उन्हें यहोवा के भय के कारण और उनके प्रताप के मारे छिपना चाहिए।

यशायाह 2:11

आदमियों की घमण्ड भरी आँखें और मनुष्यों का घमण्ड का क्या होगा?

उन्हें नीची की जाएँगी और दूर किया जाएगा।

यशायाह 2:11 (#2)

उस दिन कौन ऊँचे पर विराजमान रहेगा?

उस दिन केवल यहोवा ही ऊँचे पर विराजमान रहेंगे।

यशायाह 2:18

मूरतों का क्या होगा?

वे सब के सब नष्ट हो जाएँगे।

यशायाह 2:19

उस दिन लोग कहाँ घुसेंगे?

वे चट्टानों की गुफाओं और भूमि के बिलों में जा घुसेंगे।

यशायाह 2:22

याकूब के घराने को किससे परे रहने के लिये कहा गया है?

उन्हें मनुष्य से परे रहने के लिये कहा गया है।

यशायाह 3:1

यहोवा यरूशलेम और यहूदा से क्या दूर कर देंगे?

यहोवा उनका सब प्रकार का सहारा और सिरहाना दूर कर देंगे।

यशायाह 3:4

यहूदा और यरूशलेम की अगुवाई कौन करेगा?

लड़के उन पर हाकिम होंगे, और बच्चे उन पर प्रभुता करेंगे।

यशायाह 3:5

प्रजा के लोगों पर अंधेर कौन करेंगे?

प्रजा के लोग आपस में एक दूसरे पर, और हर एक अपने पड़ोसी पर अंधेर करेंगे।

यशायाह 3:8

यरूशलेम क्यों डगमगाया गया और यहूदा क्यों गिर गया है?

वे डगमगाए और गिरे हुए हैं क्योंकि उनके वचन और उनके काम यहोवा के विरुद्ध हैं।

यशायाह 3:9

कौन यहूदा और यरूशलेम के विरुद्ध साक्षी देता है?

उनका चेहरा उनके विरुद्ध साक्षी देता है।

यशायाह 3:10

धर्मियों का क्या होगा?

धर्मियों का भला होगा।

यशायाह 3:11

दुष्ट का क्या होगा?

दुष्ट का बुरा होगा।

यशायाह 3:12

उनके अगुए उन्हें कहाँ अगुवाई करते हैं?

उनके अगुए उन्हें भटकाते हैं और उनके चलने का मार्ग भुला देते हैं।

यशायाह 3:14

यहोवा अपनी प्रजा के वृद्ध और हाकिमों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके साथ विवाद करेंगे।

यशायाह 3:17

प्रभु यहोवा सिय्योन की स्त्रियों के साथ क्या करेंगे?

प्रभु यहोवा उनके सिर को गंजा करेंगे, और उनके तन को उघरवाएँगे।

यशायाह 3:25

पुरुष के साथ क्या होगा?

पुरुष तलवार से मारे जाएँगे।

यशायाह 4:1

सात स्त्रियाँ एक पुरुष को क्यों पकड़ेंगी?

वे उनकी कहलाना चाहते हैं और अपने नामधराई को दूर करना चाहते हैं।

यशायाह 4:3

सिय्योन और यरूशलेम में बचे हुए क्या कहलाएँगे?

जो सिय्योन और यरूशलेम में बचे हुए हैं, वे पवित्र कहलाएँगे।

यशायाह 4:4

प्रभु न्याय करनेवाली और भस्म करनेवाली आत्मा के द्वारा क्या करेंगे?

प्रभु सिय्योन की स्त्रियों के मल को धो चुकेंगे और यरूशलेम के खून को दूर कर चुकेंगे ।

यशायाह 4:5

यहोवा सिय्योन पर्वत के एक-एक घर के ऊपर, और उसके सभास्थानों के ऊपर क्या सिरजेंगे?

वे दिन को तो धुएँ का बादल, और रात को धधकती आग का प्रकाश सिरजेंगे; और समस्त वैभव के ऊपर एक मण्डप छाया रहेगा।

यशायाह 5:1

गवैया किसके लिये गाना चाहते हैं?

गवैया अपने प्रिय के लिये गीत गाना चाहते हैं

यशायाह 5:1 (#2)

गवैये का गीत किसके विषय में है?

यह गीत उनके प्रिय की दाख की बारी के विषय में है।

यशायाह 5:2

उन्होंने दाख की बारी के साथ क्या किया?

उन्होंने उसकी मिट्टी खोदी और उसके पत्थर बीनकर उसमें उत्तम जाति की एक दाखलता लगाई; उसके बीच में उन्होंने एक गुम्मट बनाया, और दाखरस के लिये एक कुण्ड भी खोदा।

यशायाह 5:2 (#2)

दाख की बारी में क्या लगीं ?

दाख की बारी में निकम्मी दाखें ही लगीं।

यशायाह 5:3

यरूशलेम के निवासी और यहूदा के मनुष्य किस बात का न्याय करनेवाले हैं?

वे उनके और दाख की बारी के बीच न्याय करनेवाले हैं।

यशायाह 5:5–6

प्रिय अपनी दाख की बारी के साथ क्या करेंगे?

वह काँटेवाले बाड़े को उखाड़ देंगे कि वह चट की जाए, और उसकी दीवार को ढा देंगे कि वह रौंदी जाए और उस पर जल न बरसे।

यशायाह 5:7

सेनाओं के यहोवा की दाख की बारी कौन हैं?

यहोवा की दाख की बारी इस्राएल का घराना है।

यशायाह 5:7 (#2)

यहोवा ने किसकी आशा की?

यहोवा ने न्याय और धार्मिकता की आशा की।

यशायाह 5:7 (#3)

यहोवा को न्याय और धार्मिकता के बदले क्या मिला?

यहोवा को अन्याय और चिल्लाहट मिली।

यशायाह 5:9

बहुत से घरों का क्या होगा?

बहुत से घर सुनसान और निर्जन हो जाएँगे।

यशायाह 5:13

इस्राएल और यहूदा की प्रजा बँधुवाई में क्यों जाते हैं?

उनकी अज्ञानता के कारण, वे बँधुवाई में जाते हैं।

यशायाह 5:16

सेनाओं के यहोवा किसके कारण महान ठहरते हैं?

यहोवा न्याय करने के कारण महान ठहरते हैं।

यशायाह 5:16 (#2)

पवित्र परमेश्वर किसके कारण पवित्र ठहरते हैं?

पवित्र परमेश्वर धर्मी होने के कारण पवित्र ठहरते हैं।

यशायाह 5:24

इस्राएल की जड़ क्यों सड़ जाएगी, और उनके फूल धूल होकर क्यों उड़ जाएँगे?

इस्राएल की जड़ सड़ जाएगी, और उनके फूल धूल होकर उड़ जाएँगे क्योंकि उन्होंने यहोवा की व्यवस्था को निकम्मी जाना, और इस्राएल के पवित्र के वचन को तुच्छ जाना है।

यशायाह 5:26

यहोवा दूर-दूर की जातियों को कैसे बुलाएँगे?

वे झण्डा खड़ा करेंगे और सीटी बजाकर उनको पृथ्वी की छोर से बुलाएँगे।

यशायाह 5:26 (#2)

दूर-दूर की जातियाँ कैसे आएँगे?

दूर-दूर की जातियाँ फुर्ती करके वेग से आएँगे।

यशायाह 6:1

यशायाह ने प्रभु को कब बहुत ही ऊँचे सिंहासन पर विराजमान देखा?

यशायाह ने प्रभु को उस वर्ष देखा जब उज्जियाह राजा मरा।

यशायाह 6:2

प्रभु से ऊँचे पर कौन दिखाई दिए?

प्रभु से ऊँचे पर साराप दिखाई दिए।

यशायाह 6:4

जब साराप एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थे, तब क्या हुआ?

जब साराप एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थे, तब डेवढ़ियों की नींवें डोल उठी, और भवन धुएँ से भर गया।

यशायाह 6:5

जब यशायाह ने ये सारी बातें देखीं, तब उन्होंने क्या कहा?

यशायाह ने कहा कि वे नाश हुए क्योंकि वे अशुद्ध होंठवाले मनुष्य थे और वे अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहते थे, और क्योंकि उन्होंने यहोवा महाराजाधिराज को अपनी आँखों से देखा था।

यशायाह 6:7

जब साराप ने वेदी पर से अंगारा लेकर यशायाह के मुँह को छुआ, तब उन्होंने क्या कहा?

उन्होंने कहा, "देख, इसने तेरे होठों को छू लिया है, इसलिए तेरा अधर्म दूर हो गया और तेरे पाप क्षमा हो गए।"

यशायाह 6:8

यशायाह ने प्रभु का क्या वचन सुना?

प्रभु का यह वचन सुना, "मैं किसको भेजूँ, और हमारी ओर से कौन जाएगा?"

यशायाह 6:8 (#2)

यशायाह ने प्रभु के पूछने पर क्या उत्तर दिया?

यशायाह ने कहा, "मैंमैं यहाँ हूँ! मुझे भेज।"

यशायाह 6:9

प्रभु ने यशायाह से लोगों को क्या कहने के लिये कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि वह लोगों से कहें कि वे सुनें परन्तु समझें नहीं; देखें, पर बूझो नहीं।

यशायाह 6:11–12

यशायाह को लोगों को प्रभु का सन्देश कब तक सुनाना चाहिए था?

यशायाह को प्रभु का सन्देश लोगों को तब तक सुनाना था जब तक नगर न उजड़े और उनमें कोई रह न जाए, और घरों में कोई मनुष्य न रह जाए, और देश उजाड़ और सुनसान हो जाए। और यहोवा मनुष्यों को उसमें से दूर कर दे, और देश के बहुत से स्थान निर्जन हो जाएँ।

यशायाह 7:1

आहाज कौन थे?

यहूदा के राजा आहाज जो योताम के पुत्र और उज्जियाह के पोते थे।

यशायाह 7:1 (#2)

आहाज के दिनों में, कौन से राजा यहूदा में यरूशलेम से लड़ने के लिये चढ़ाई की?

अराम के राजा रसीन और इस्राएल के राजा रमल्याह के पुत्र पेकह ने यरूशलेम से लड़ने के लिये चढ़ाई की।

यशायाह 7:2

जब आहाज और उनकी प्रजा ने सुना कि अरामियों ने एप्रैमियों से संधि की है, तब उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

जब आहाज और उनकी प्रजा ने सुना, तब उनका मन काँप उठा।

यशायाह 7:3

यहोवा ने यशायाह से कौन सा काम करने को कहा?

यहोवा ने यशायाह से कहा कि वे अपने पुत्र को लेकर आहाज से भेंट करने के लिये जाएँ।

यशायाह 7:3–4

यहोवा ने कहा कि आहाज को किससे नहीं डरना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि आहाज को रसीन और पेकह से न डरना चाहिए या न मन कच्चा होना चाहिए।

यशायाह 7:5–6

अरामियों और रमल्याह के पुत्र समेत एप्रैमियों ने क्या युक्ति ठानी है?

इन मनुष्यों ने आहाज और यहूदा के विरुद्ध बुरी युक्ति ठानी है। उन्होंने यहूदा पर चढ़ाई करने और उसे घबरा देने, और ताबेल के पुत्र को राजा नियुक्त करने की युक्ति ठानी।

यशायाह 7:8

यहोवा ने आहाज को एप्रैम के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने आहाज से कहा, "पैंसठ वर्ष के भीतर एप्रैम का बल इतना टूट जाएगा कि वह जाति बनी न रहेगी।"

यशायाह 7:9

यहोवा ने आहाज से कहा कि यदि वह विश्वास नहीं करेंगे तब क्या होगा?

आहाज स्थिर नहीं रहेंगे जब तक वह विश्वास नहीं करेंगे।

यशायाह 7:12

जब प्रभु ने आहाज को यहोवा से एक चिन्ह माँगने को कहा, तब आहाज ने क्या कहा?

आहाज ने कहा, "मैं नहीं माँगने का, और मैं यहोवा की परीक्षा नहीं करूँगा।"

यशायाह 7:13

यशायाह ने कहा कि आहाज क्या कर रहे थे?

यशायाह ने कहा कि वे न केवल मनुष्यों को थका रहे थे बल्कि परमेश्वर को भी थका रहे थे।

यशायाह 7:17

यशायाह ने आहाज से कहा कि यहोवा उनके विरुद्ध किसे ले आएँगे?

यशायाह ने आहाज से कहा कि यहोवा उनके और उनकी प्रजा के विरुद्ध अश्शूर के राजा के दिन को ले आएँगे।

यशायाह 7:20

अश्शूर का राजा क्या करेगा?

अश्शूर का राजा आहाज का सिर, पाँव और दाढ़ी मूँण्ड़ेगा।

यशायाह 7:23-25

देश का क्या होगा?

देश के सब स्थानों में कटीले ही कटीले पेड़ होंगे, और वे गाय-बैलों के चरने के, और भेड़-बकरियों के रौंदने के लिये होंगे।

यशायाह 8:1

यहोवा ने यशायाह से क्या करने को कहा?

उन्होंने यशायाह से कहा कि एक बड़ी पटिया लेकर उस पर साधारण अक्षरों से यह लिख: 'महेर्शालाल्हाशबज'।

यशायाह 8:2

यहोवा के विश्वासयोग्य साक्षी कौन थे?

यहोवा के विश्वासयोग्य साक्षी ऊरिय्याह याजक और जेबेरेक्याह के पुत्र जकर्याह थे।

यशायाह 8:3-4

यहोवा ने यशायाह से अपने पुत्र का नाम 'महेर्शालाल्हाशबज' रखने को क्यों कहा?

उसे 'महेर्शालाल्हाशबज' नाम रखा जाना था क्योंकि दमिश्क और सामरिया दोनों की धन-सम्पत्ति लूटकर अश्शूर का राजा अपने देश को भेजेगा।

यशायाह 8:12

यशायाह को किन लोगों की सी चाल चलने को मना किया?

यशायाह को मना किया गया कि जिस बात को लोग राजद्रोह कहते हैं, उसे वे राजद्रोह न कहें और जिस बात से वे डरते हैं, उससे वह न डरे और न भय खाएँ।

यशायाह 8:13

यशायाह से किसे पवित्र जानने और डर मानने के लिये कहा गया था?

यशायाह से कहा गया कि वे सेनाओं के यहोवा ही को पवित्र जाने; उन्हीं का डर माने, और उन्हीं का भय रखें।

यशायाह 8:14

यहोवा इस्राएल के दोनों घरानों और यरूशलेम के निवासियों के लिये क्या होंगे?

वे इस्राएल के लोगों के लिये ठोकर का पत्थर और ठेस की चट्टान, और यरूशलेम के निवासियों के लिये फंदा और जाल होंगे।

यशायाह 8:16-18

यशायाह की चितौनी क्या थी, जिसे उनके चेलों को दी जानी चाहिए थी?

यशायाह की चितौनी यह थी कि वे यहोवा की बाट जोहते रहेंगे और जो लड़के यहोवा ने उन्हें सौंपे हैं, वे इस्राएलियों के लिये चिन्ह और चमत्कार हैं।

यशायाह 8:19

यशायाह के अनुसार इस्राएल के लोग यशायाह के चेलों से क्या कहने वाले थे?

वे यशायाह के चेलों से ओझाओं और टोन्हों के पास जाकर पूछने के लिये कहनेवाले थे।

यशायाह 8:19 (#2)

यशायाह कहते हैं कि प्रजा को किसके पास जाकर पूछना चाहिए?

प्रजा को अपने परमेश्वर ही के पास जाकर पूछना चाहिए।

यशायाह 8:20

यशायाह अपने चेलों को किस पर चर्चा करने की आज्ञा देते हैं?

उन्हें व्यवस्था और चितौनी पर चर्चा करने की आज्ञा दी गई है।

यशायाह 8:21

जब इस्राएल के लोग क्लेशित और भूखे होंगे और क्रोध में आएँगे, तब वे क्या करेंगे?

वे अपने राजा और अपने परमेश्वर को श्राप देंगे, और अपना मुख ऊपर आकाश की ओर उठाएँगे।

यशायाह 8:22

इस्राएल की प्रजा का क्या होगा?

वे घोर अंधकार में ढकेल दिए जाएँगे।

यशायाह 9:1

जो संकट-भरा था, उनके साथ क्या होगा?

उनका अंधकार जाता रहेगा।

यशायाह 9:1 (#2)

पहले परमेश्वर ने कौनसे देश का अपमान किया था?

परमेश्वर ने जबूलून और नप्ताली के देशों का अपमान किया था।

यशायाह 9:1 (#3)

अन्तिम दिनों में परमेश्वर जबूलून और नप्ताली के साथ क्या करेंगे?

वे उन्हें महिमा देंगे।

यशायाह 9:2

किस पर ज्योति चमकी?

जो लोग घोर अंधकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी।

यशायाह 9:6

वह कौन हैं जिनके काँधे पर प्रभुता होगी?

उनका नाम अद्‌भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

यशायाह 9:7

वे कैसे प्रभुता करेंगे?

वे न्याय और धर्म के द्वारा प्रभुता करेंगे।

यशायाह 9:7 (#2)

वे कब तक प्रभुता करेंगे?

वे इस समय से लेकर सर्वदा के लिये प्रभुता करेंगे।

यशायाह 9:9-10

इस्राएल ने गर्व और कठोरता से क्या बोला?

इस्राएल बोलते हैं, "ईंटें तो गिर गई हैं, परन्तु हम गढ़े हुए पत्थरों से घर बनाएँगे; गूलर के वृक्ष तो कट गए हैं परन्तु हम उनके बदले देवदारों से काम लेंगे।"

यशायाह 9:11-12

यहोवा ने इस्राएल के विरुद्ध किसे प्रबल किया?

यहोवा ने रसीन, अराम, और पलिश्तियों को इस्राएल के विरुद्ध प्रबल किया।

यशायाह 9:12

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 9:13

क्या लोग यहोवा की ओर फिरे?

लोग यहोवा की ओर नहीं फिरे और न ही उनकी खोज की।

यशायाह 9:15

वे "सिर" और "पूँछ" कौन थे जिन्हें यहोवा एक ही दिन में काटनेवाले थे?

पुरनिया और प्रतिष्ठित पुरुष सिर थे, और और झूठी बातें सिखानेवाला नबी पूँछ था।

यशायाह 9:17

प्रभु ने अनाथ बालकों और विधवाओं पर दया क्यों नहीं की?

उन्होंने उन पर दया नहीं की क्योंकि हर एक भक्तिहीन और कुकर्मी थे।

यशायाह 9:17 (#2)

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 9:19

यहोवा के रोष का क्या परिणाम हुआ?

यहोवा ने देश को जला दिया और लोगों को आग की ईंधन के समान बना दिया।

यशायाह 9:21

मनश्शे, एप्रैम और यहूदा के साथ क्या हुआ?

मनश्शे और एप्रैम एक-दूसरे के विरुद्ध हुए और वे दोनों मिलकर यहूदा के विरुद्ध हुए।

यशायाह 9:21 (#2)

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 10:5

यहोवा के क्रोध का लठ, और वह सोंटा कौन था जिसके द्वारा यहोवा ने अपना क्रोध प्रगट किया?

अश्शूर यहोवा के क्रोध का लठ था, और वह सोंटा जिसके द्वारा उन्होंने अपना क्रोध प्रगट किया।

यशायाह 10:6

यहोवा ने अश्शूर को क्या करने की आज्ञा दी?

उन्होंने अश्शूर को आज्ञा दी कि वे छीन-छान करे और लूट ले और इस्राएल को सड़कों की कीच के समान लताड़े।

यशायाह 10:7

अश्शूर की मनसा क्या थी?

अश्शूर के मन में यही था कि वह बहुत सी जातियों का नाश और अन्त कर डाले।

यशायाह 10:12

प्रभु ने कहा कि जब वे सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में अपना सब काम कर चुकेंगे, तब वे क्या करेंगे?

प्रभु ने कहा कि वे अश्शूर के राजा के गर्व की बातों का, और उसकी घमण्ड भरी आँखों का बदला देंगे।

यशायाह 10:13

अश्शूर के राजा ने यह क्यों सोचा कि वह सफल हुआ है?

अश्शूर के राजा ने सोचा कि वह अपने ही बाहुबल, बुद्धि और चतुराई के कारण सफल हुआ है।

यशायाह 10:16

प्रभु परमेश्वर अश्शूर के हृष्ट-पुष्ट योद्धाओं को क्या करनेवाले थे?

प्रभु परमेश्वर उनको दुबला करनेवाले थे।

यशायाह 10:18

यहोवा ने कहा कि वे अश्शूर में किसका नाश करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे उसके वन और फलदाई बारी की शोभा पूरी रीति से नाश करेंगे।

यशायाह 10:20

इस्राएल के बचे हुए लोग भागने के बाद किस पर भरोसा रखेंगे?

बचे हुए लोग जो भागे हुए हैं, वे अब अपने मारनेवाले पर फिर कभी भरोसा नहीं रखेंगे, परन्तु यहोवा पर वे सच्चाई से भरोसा रखेंगे।

यशायाह 10:24–25

प्रभु परमेश्वर ने सिय्योन में रहनेवाली प्रजा से अश्शूर से न डरने को क्यों कहा?

उन्होंने उन्हें अश्शूर से न डरने को कहा क्योंकि अब थोड़ी ही देर है कि प्रभु का जलन और क्रोध अश्शूर का सत्यानाश करके शान्त होगा।

यशायाह 10:27

जिस दिन यहोवा अश्शूर के विरुद्ध कोड़ा उठाकर उसको मारेंगे और जिस दिन यहोवा समुद्र पर लाठी बढ़ाएँगे, उस दिन क्या होना था?

उस दिन उनका बोझ उनके कंधे पर से और जूआ उनकी गर्दन पर से उठा लिया जाएगा।

यशायाह 11:1

यिशै के ठूँठ से क्या निकालनेवाली थी?

यिशै के ठूँठ में से एक डाली और एक शाखा निकालनेवाली थी।

यशायाह 11:2

उस पर कौन ठहरने वाली थी?

यहोवा की आत्मा उस पर ठहरने वाली थी।

यशायाह 11:2 (#2)

यहोवा की आत्मा उन्हें क्या देगी?

यहोवा की आत्मा उन्हें बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, और ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा देगी।

यशायाह 11:4

वे कंगालों और नम्र लोगों का न्याय करने के लिये कौन-सा मानक उपयोग करेंगे?

वे मुँह देखा न्याय न करेंगे और न अपने कानों के सुनने के अनुसार निर्णय करेंगे। वे न्याय धार्मिकता से और निर्णय खराई से करेंगे।

यशायाह 11:4 (#2)

वे दुष्ट का क्या करेंगे?

वे अपनी फूँक के झोंके से दुष्ट को मिटा डालेंगे।

यशायाह 11:9

पशु कैसे अलग तरह से व्यवहार करेंगे?

वे उनके पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देंगे और न हानि करेंगे।

यशायाह 11:9 (#2)

पशु दुःख और हानि क्यों नहीं देंगे?

पशु दुःख और हानि नहीं देंगे क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी।

यशायाह 11:11

उस समय प्रभु अपना हाथ क्यों बढ़ाएँगे?

वे अपने बचे हुओं को, जो उनकी प्रजा के रह गए हैं, अश्शूर से, मिस्र से, पत्रोस से, कूश से, एलाम से, शिनार से, हमात से, और समुद्र के द्वीपों से मोल लेकर छुड़ाएँगे।

यशायाह 11:13

यहूदा के तंग करनेवाले का क्या होगा?

यहूदा के तंग करनेवाले काट डाले जाएँगे।

यशायाह 11:13 (#2)

एप्रैम और यहूदा के बीच क्या होगा?

एप्रैम यहूदा से न डाह करेगा और न यहूदा एप्रैम को तंग करेगा।

यशायाह 11:14

एप्रैम और यहूदा मिलकर क्या करेंगे?

वे पश्चिम की ओर पलिश्तियों के कंधे पर झपट्टा मारेंगे, और मिलकर पूर्वियों को लूटेंगे। वे एदोम और मोआब पर हाथ बढ़ाएँगे।

यशायाह 11:15

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल और फरात नदी के साथ क्या करेंगे?

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल को सुखा डालेंगे और फरात नदी सात धार हो जाएगी।

यशायाह 11:15 (#2)

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल और फरात नदी को क्यों सुखाएँगे?

वे इसे ऐसा सुखाएँगे कि लोग जूता पहने हुए भी पार हो जाएँगे।

यशायाह 12:1

उस दिन, वे यहोवा का धन्यवाद क्यों करेंगे?

वे धन्यवाद करेंगे क्योंकि यद्यपि यहोवा उन पर क्रोधित हुए थे, परन्तु अब उनका क्रोध शान्त हुआ, और उन्होंने उन्हें शान्ति दी है।

यशायाह 12:1–2

उस दिन लोग यह कहेंगे कि यहोवा उनके लिये क्या है?

लोग कहेंगे कि यहोवा उनका बल, उनका भजन का विषय और उनका उद्धारकर्ता हैं।

यशायाह 12:5

लोगों से यहोवा का भजन गाने को क्यों कहा जाएगा?

उन्हें यहोवा का भजन गाने को कहा जाएगा क्योंकि उन्होंने प्रतापमय काम किए हैं, ताकि यह सारी पृथ्वी पर प्रगट हो सके।

यशायाह 13:1

यशायाह को यहोवा से क्या सन्देश पाया?

उन्हें बाबेल के विषय की भारी भविष्यद्वाणी पाई।

यशायाह 13:3

यहोवा ने अपने वीरों को क्या करने के लिये बुलाया है?

उन्होंने उन्हें अपने क्रोध के लिये बुलाया है।

यशायाह 13:5

यहोवा की सेना कहाँ से आते हैं?

वे दूर देश से, आकाश के छोर से आते हैं।

यशायाह 13:5 (#2)

यहोवा के क्रोध के हथियार क्या करनेवाले हैं?

वे सारे देश को नाश करनेवाले हैं।

यशायाह 13:7–8

जब देश नाश हो जाएगा, तब लोग क्या करेंगे?

उनके हाथ ढीले पड़ेंगे, और उनके हृदय पिघल जाएगा; वे घबरा जाएँगे; उनको पीड़ा और शोक होगा। वे चकित होकर एक दूसरे को ताकेंगे; उनके मुँह जल जाएँगे।

यशायाह 13:9–10

यहोवा के दिन और क्या होगा?

पृथ्वी को उजाड़ डालेंगे और पापियों को उसमें से नाश करेंगे। आकाश के तारागण और बड़े-बड़े नक्षत्र अपना प्रकाश न देंगे; वे अंधेरा हो जाएँगे।

यशायाह 13:12

क्या कई मनुष्य बचेंगे?

नहीं! यहोवा मनुष्य को कुन्दन से भी अधिक महँगा कर देंगे।

यशायाह 13:17

यहोवा किसे कसदियों के विरुद्ध उभारेंगे?

यहोवा मादी लोगों को कसदियों के विरुद्ध उभारेंगे।

यशायाह 13:19–20

बाबेल का क्या होगा?

परमेश्वर सदोम और गमोरा के जैसे उन्हें उलट देंगे, और वे फिर कभी न बसेंगे और युग-युग उसमें कोई वास न करेगा।

यशायाह 13:21

बाबेल में कौन बैठेंगे?

वहाँ जंगली जन्तु बैठेंगे।

यशायाह 13:22

बाबेल के साथ ये बातें कब होंगी?

बाबेल के नाश होने का समय निकट आ गया है, और उसके दिन अब बहुत नहीं रहे।

यशायाह 14:1

यहोवा इस्राएल के साथ क्या करेंगे?

यहोवा इस्राएल को फिर अपनाकर, उन्हीं के देश में बसाएँगे।

यशायाह 14:1 (#2)

क्या कोई और इस्राएलियों के साथ उनके देश वापस जाएँगे?

परदेशी उनसे मिल जाएँगे और अपने-अपने को याकूब के घराने से मिला लेंगे।

यशायाह 14:2

कौन इस्राएलियों को उन्हीं के देश में वापस पहुँचाएँगे?

देश-देश के लोग उनको उन्हीं के स्थान में पहुँचाएँगे।

यशायाह 14:2 (#2)

इस्राएल का घराना उन देश का क्या करेंगे जिन्होंने इस्राएल को बन्दी बनाया था?

इस्राएल का घराना उनका अधिकारी होकर उनको दास और दासियाँ बनाएँगे। वे अपने बँधुवाई में ले जानेवालों को बन्दी बनाएँगे, और जो उन पर अत्याचार करते थे उन पर वे शासन करेंगे।

यशायाह 14:3–4

जिस दिन यहोवा इस्राएल को उनके सन्ताप, घबराहट और कठिन श्रम से विश्राम देंगे, उस दिन क्या होगा?

वे बाबेल के राजा पर ताना मारकर कहेंगे।

यशायाह 14:4

परिश्रम करानेवालो का क्या हुआ?

परिश्रम करानेवालो का नाश हो गया।

यशायाह 14:6

बाबेल के राजा ने क्या किया था?

वे मनुष्यों को लगातार रोष से मारते रहते थे और जाति-जाति पर क्रोध से प्रभुता करते और लगातार उनके पीछे पड़े रहते थे।

यशायाह 14:10–11

पृथ्वी के मुर्दे सरदार बाबेल के राजा से क्या कहेंगे?

वे कहेंगे, "क्या तू भी हमारे समान निर्बल हो गया है..." और "तेरा वैभव और ... अधोलोक में उतारा गया है"

यशायाह 14:12

भोर के चमकनेवाले तारे के साथ क्या हुआ है?

वह आकाश से गिर पड़ा है और काटकर भूमि पर गिराया गया है।

यशायाह 14:13–14

भोर के चमकनेवाले तारे ने अपने मन में क्या कहा था?

उसने कहा था कि वह अपने सिंहासन को परमेश्वर के तारागण से अधिक ऊँचा करेगा और परमप्रधान के तुल्य हो जाएगा।

यशायाह 14:20

बाबेल का राजा जाति-जाति के राजा के साथ कब्र में क्यों नहीं गाड़ा जाएगा?

वह उनके साथ गाड़ा नहीं जाएगा क्योंकि उसने अपने देश को उजाड़ दिया, और अपनी प्रजा का घात किया है।

यशायाह 14:22

बाबेल के विरुद्ध सेनाओं के यहोवा की वाणी क्या है?

उनकी वाणी यह है, "मैं उनके विरुद्ध उठूँगा, और बाबेल का नाम और निशान मिटा डालूँगा, और बेटों-पोतों को काट डालूँगा।"

यशायाह 14:25

अश्शूर के विषय में सेनाओं के यहोवा ने अपने देश में क्या शपथ खाई है?

उन्होंने कहा कि वे अश्शूर को अपने ही देश में तोड़ देंगे और अपने पहाड़ों पर उसे कुचल डालेंगे।

यशायाह 14:29–30

पलिश्तीन के विरुद्ध क्या भविष्यद्वाणी हुई?

यह भविष्यद्वाणी हुई कि पलिश्तीन को आनन्द नहीं करना चाहिए, क्योंकि यहोवा पलिश्तीन के वंश को भूख से मार डालने वाले थे, जो पलिश्तीन के बचे हुए लोगों का घात करेगा।

यशायाह 14:32

किसने सिय्योन की नींव डाली?

यहोवा ने सिय्योन की नींव डाली।

यशायाह 14:32 (#2)

यहोवा की प्रजा के दीन लोग सिय्योन में क्या लेंगे?

यहोवा की प्रजा के दीन लोग सिय्योन में शरण लेंगे।

यशायाह 15:1

किसके विषय भारी भविष्यद्वाणी है?

मोआब के विषय भारी भविष्यद्वाणी है।

यशायाह 15:1 (#2)

मोआब के आर और कीर नगर का क्या होगा?

उन्हें एक ही रात में उजाड़ और नाश कर दिया जाएगा।

यशायाह 15:5

मोआब के रईस कहाँ जाएँगे?

वे सोअर और एग्लत-शलीशिया तक भागेंगे।

यशायाह 15:9

दीमोन के सोते का क्या हुआ है और दीमोन का क्या होगा?

दीमोन का सोता लहू से भरा हुआ है; तो भी यहोवा दीमोन पर और दुःख डालेंगे।

यशायाह 15:9 (#2)

बचे हुए मोआबियों और उनके देश से भागे हुओं का क्या होगा?

बचे हुए मोआबियों और उनके देश से भागे हुओं के विरुद्ध सिंह भेजेंगे।

यशायाह 16:1

भेड़ों के बच्चों किसे भेजे जाने हैं?

भेड़ों के बच्चों को सिय्योन की बेटी के पर्वत पर देश के हाकिम के लिये भेजे जाने हैं।

यशायाह 16:2

मोआब की बेटियों की तुलना अर्नोन के घाट पर किससे की जाती है?

वे उजाड़े हुए घोंसले के पक्षी और उनके भटके हुए बच्चों के समान हैं।

यशायाह 16:3–4

यहूदा को मोआब के घर से निकाले गए और जो उनके बीच में रहते हैं, उनके साथ क्या करना चाहिए?

घर से निकाले हुओं को छिपाना चाहिए और जो मारे-मारे फिरते हैं उनको पकड़वाना नहीं चाहिए, लोग जो निकाले हुए हैं वे उनके बीच में रहें; नाश करनेवाले से बचाना चाहिए ।

यशायाह 16:5

दाऊद के तम्बू से सिंहासन पर विराजमान होने वाले क्या करेंगे?

वे सोच विचार कर सच्चा न्याय करेंगे और धार्मिकता के काम पर तत्पर रहेंगे।

यशायाह 16:12

जब मोआब प्रार्थना करने को अपने पवित्रस्थान में आएगा, तब क्या होगा?

मोआब को अपनी प्रार्थनाओं से कुछ लाभ न होगा।

यशायाह 16:14

मोआब का वैभव का क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि तीन वर्ष के भीतर मोआब का वैभव तुच्छ ठहरेगी।

यशायाह 16:14 (#2)

मोआब से कितने बचेंगे?

मोआब में थोड़े जो बचेंगे उनका कोई बल न होगा।

यशायाह 17:1

दमिश्क नगर का क्या होगा?

यह नगर न रहेगा, वह खण्डहर ही खण्डहर हो जाएगा।

यशायाह 17:3

एप्रैम में क्या नहीं रहेंगे?

एप्रैम में गढ़वाले नगर नहीं रहेंगे।

यशायाह 17:4

उस समय याकूब के वैभव का क्या होगा?

उस समय याकूब का वैभव घट जाएगा, और उसकी मोटी देह दुबली हो जाएगी।

यशायाह 17:7

उस समय मनुष्य किसकी ओर दृष्टि करेगा?

मनुष्य अपने कर्ता की ओर दृष्टि करेगा, और उसकी आँखें इस्राएल के पवित्र की ओर लगी रहेंगी।

यशायाह 17:9

उस समय उनके गढ़वाले नगर किसके समान होंगे?

उस समय उनके गढ़वाले नगर घने वन, और उनके निर्जन स्थान पहाड़ों की चोटियों के समान होंगे।

यशायाह 17:13

राज्य-राज्य के लोग बाढ़ के बहुत से जल के समान नाद करेंगे, तब क्या होगा?

परमेश्वर राज्य-राज्य के लोगों को घुड़केंगे, और वे दूर भाग जाएँगे, और उड़ाए जाएँगे।

यशायाह 17:14

इस्राएल के लूटनेवालों का भाग क्या है?

उनके भाग में साँझ को घबराहट देखना होगा और भोर से पहले लोप हो जाना होगा।

यशायाह 18:1

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश कहाँ है?

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश, कूश की नदियों के परे है।

यशायाह 18:2

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश किसके पास दूत भेजता है?

वे एक ऐसी जाति के पास दूत भेजते हैं जिसके लोग बलिष्ठ और सुन्दर हैं, जो आदि से अब तक डरावने हैं, जो मापने और रौंदनेवाला भी हैं, और जिनका देश नदियों से विभाजित किया हुआ है।

यशायाह 18:3

जगत के सब रहनेवालों को को कब देखना और सुनना चाहिए?

उन्हें तब देखना और सुनना चाहिए जब झण्डा पहाड़ों पर खड़ा किया जाए और जब नरसिंगा फूँका जाए।

यशायाह 18:5

दाख तोड़ने के समय से पहले जब फूल फूल चुकेंगे, तब यहोवा क्या करेंगे?

यहोवा टहनियों को हँसुओं से काट डालेंगे और फैली हुई डालियों को तोड़-तोड़कर अलग फेंक देंगे।

यशायाह 18:6–7

जब माँसाहारी पक्षी डालियों पर धूपकाल बिताएँगे और और सब भाँति के वन पशु उन पर सर्दी काटेंगे, तब क्या होगा?

उस समय जिस जाति के लोग बलिष्ठ और सुन्दर हैं, उनके द्वारा सिय्योन पर्वत पर सेनाओं के यहोवा के पास भेंट पहुँचाई जाएगी।

यशायाह 19:1

इस अध्याय में किसके विषय में भारी भविष्यद्वाणी की गई है?

इस अध्याय में मिस्र के विषय में भारी भविष्यद्वाणी की गई है।

यशायाह 19:1–2

मिस्रियों को कौन उभारेगा?

यहोवा मिस्रियों को उभारेंगे।

यशायाह 19:2

मिस्रियों को किसके विरुद्ध उभारा जाएगा?

एक दूसरे के विरुद्ध उनको उभारा जाएगा।

यशायाह 19:4

यहोवा मिस्रियों की अगुआई किससे करवाएँगे?

यहोवा मिस्रियों को एक कठोर स्वामी के हाथ में कर देंगे, और एक क्रूर राजा उन पर प्रभुता करेगा।

यशायाह 19:5

मिस्र के जल का क्या होगा?

समुद्र का जल सूख जाएगा, और महानदी सूख कर खाली हो जाएगी।

यशायाह 19:10

मिस्र के रईस का क्या होगा?

मिस्र के रईस निराश हो जाएँगे।

यशायाह 19:11

फ़िरौन के बुद्धिमान मंत्रियों की युक्ति का क्या हुआ?

उनकी युक्ति पशु की सी ठहर गई।

यशायाह 19:14

फ़िरौन के बुद्धिमान मंत्रियों की युक्ति पशु की सी क्यों ठहरी?

उनकी युक्ति पशु की सी क्योंकि यहोवा ने मिस्र में भ्रमता उत्पन्न की है।

यशायाह 19:16

उस समय मिस्री किसके समान हो जाएँगे?

उस समय मिस्री, स्त्रियों के समान हो जाएँगे। वे थरथराएँगे और काँप उठेंगे।

यशायाह 19:18

उस समय मिस्र देश में पाँच नगर क्या करेंगे?

वे यहोवा की शपथ खाएँगे।

यशायाह 19:19

उस समय मिस्र देश के बीच में क्या होगा?

उस समय मिस्र देश के बीच में यहोवा के लिये एक वेदी होगी।

यशायाह 19:23

उस समय कौन मिलकर यहोवा की आराधना करेंगे?

मिस्री अश्शूरियों के संग मिलकर आराधना करेंगे।

यशायाह 19:24

उस समय पृथ्वी के लिये आशीष का कारण कौन होंगे?

इस्राएल, मिस्र और अश्शूर तीनों मिलकर पृथ्वी के लिये आशीष का कारण होंगे।

यशायाह 20:1

जब तर्त्तान अश्दोद आया, तब क्या हुआ?

तर्त्तान ने अश्दोद आकर उससे युद्ध किया और उसको ले भी लिया।

यशायाह 20:1 (#2)

किसने तर्त्तान को अश्दोद जाने की आज्ञा दी?

अश्शूर के राजा सर्गोन ने तर्त्तान को अश्दोद जाने की आज्ञा दी।

यशायाह 20:2

जब तर्त्तान ने अश्दोद को ले लिया, तब यहोवा ने यशायाह से क्या करने को कहा?

यहोवा ने यशायाह से कहा कि वे अपनी टाट खोले और जूतियाँ उतार दें और नंगे और नंगे पाँव घूमे फिरे।

यशायाह 20:3-4

यशायाह को नंगे पाँव चलने को क्यों कहा गया?

यह इस बात का चिन्ह था कि अश्शूर का राजा मिस्री और कूश के लोगों को बन्दी बनाकर उघाड़ा और नंगे पाँव देश निकाला करेगा।

यशायाह 20:5-6

उनका क्या होगा जो कूश और मिस्र में अपनी आशा रखते हैं?

वे व्याकुल और लज्जित हो जाएँगे।

यशायाह 21:2

यशायाह को किस प्रकार का दर्शन दिखाया गया?

उनको कष्ट की बातों का दर्शन दिखाया गया।

यशायाह 21:2 (#2)

दर्शन किसके विषय में है?

यशायाह का दर्शन एलाम पर चढ़ाई करने और मादै को घेरने के विषय में है।

यशायाह 21:3-4

इस दर्शन का यशायाह पर क्या प्रभाव पड़ा?

इसने यशायाह के कमर में कठिन पीड़ा दी। वे संकट में पड़ गए और घबरा गए। उनका हृदय धड़कने लगा। वे अत्यन्त भयभीत और थरथराने लगे।

यशायाह 21:6

प्रभु ने यशायाह से क्या कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि वह जाकर एक पहरुआ खड़ा करें और पहरुआ जो कुछ देखे उन्हें बताए।

यशायाह 21:7

जब पहरुआ सवार जो दो-दो करके आते हों, और गदहों और ऊँटों के सवार को देखे, तब उसे क्या करना चाहिए?

तब पहरुए को बहुत ही ध्यान देकर सुनना चाहिए।

यशायाह 21:9

जब मनुष्यों का दल आता है, तब वह क्या बोल उठा?

वह बोल उठा, "गिर पड़ा, बाबेल गिर पड़ा; और उसके देवताओं के सब खुदी हुई मूरतें भूमि पर चकनाचूर कर डाली गई हैं।"

यशायाह 21:13

अरब के जंगल में कौन रात बिताते हैं?

ददानी के बटोही वहाँ रात बिताते हैं।

यशायाह 21:14

ददानी बटोहियों को क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें प्यासे के पास जल लाने के लिये कहा गया है।

यशायाह 21:14 (#2)

तेमा देश के रहनेवाले से क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें रोटी लेकर भागनेवाले से मिलने के लिये कहा गया है।

यशायाह 21:16–17

प्रभु ने यशायाह को केदार के विषय में क्या कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि एक वर्ष में केदार का सारा वैभव मिटाया जाएगा और धनुर्धारी शूरवीरों में से थोड़े ही रह जाएँगे।

यशायाह 22:1

अध्याय 22 का विषय क्या है?

यह दर्शन की तराई के विषय में भारी वचन है।

यशायाह 22:1 (#2)

सब के सब कहाँ चढ़ गए?

सब के सब छतों पर चढ़ गए।

यशायाह 22:2

प्रसन्न नगरी में क्या हो रहा है?

कोलाहल और ऊधम प्रसन्न नगरी में हो रहा है।

यशायाह 22:2 (#2)

क्या जो मारे गए हैं वे तलवार से या लड़ाई में मारे गए हैं?

नहीं, जो मारे गए हैं वे न तो तलवार से और न लड़ाई में मारे गए हैं।

यशायाह 22:3

उनके शासकों का क्या हुआ?

उनके शासक एक संग भाग गए और बन्दी बनाए गए और एक संग बाँधे गए।

यशायाह 22:4

यशायाह बिलख-बिलख कर क्यों रो रहे थे?

उनके नगर का सत्यानाश होने के कारण रो रहे थे।

यशायाह 22:6

उनके विरुद्ध कौन तरकश बाँधे हुए और ढाल खोले हुए है?

एलाम तरकश बाँधे हुए है, और कीर ढाल खोले हुए है।

यशायाह 22:7

यहूदा की उत्तम-उत्तम तराइयों में क्या होंगी?

उनकी तराइयाँ रथों से भरी हुई होंगी।

यशायाह 22:8

परमेश्वर ने यरूशलेम के घूँघट का क्या किया?

उन्होंने उनका घूँघट खोल दिया।

यशायाह 22:12

उस समय सेनाओं के प्रभु यहोवा ने क्या करने के लिये कहा था?

उन्होंने रोने-पीटने, सिर मुँड़ाने और टाट पहनने के लिये कहा था।

यशायाह 22:12–13

रोने-पीटने के बदले लोगों ने क्या किया?

लोगों ने हर्ष और आनन्द मनाया। उन्होंने गाय-बैल का घात और भेड़-बकरी का वध किया, माँस खाया और दाखमधु पीया।

यशायाह 22:14

क्या प्रभु उनकी प्रतिक्रिया के लिये लोगों का प्रायश्चित करेंगे?

प्रभु उनका मृत्यु तक भी प्रायश्चित नहीं करेंगे।

यशायाह 22:15–16

शेबना नामक भण्डारी ने अपने लिये क्या किया?

शेबना ने अपने रहने का स्थान चट्टान में एक कब्र खुदवाई।

यशायाह 22:17–19

यहोवा ने कहा कि वे शेबना के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे शेबना को बहुत दूर फेंक देंगे, और उसे उसके स्थान पर से ढकेल देंगे और उसके पद से उतार दिया जाएगा।

यशायाह 22:20–21

शेबना की प्रभुता का स्थान कौन लेने वाले थे?

हिल्कियाह के पुत्र एलयाकीम शेबना की प्रभुता का स्थान लेने वाले थे।

यशायाह 22:25

उस समय वह खूँटी जो दृढ़ स्थान में गाड़ी गई थी, उसका क्या होगा?

खूँटी जो दृढ़ स्थान में गाड़ी गई थी, वह ढीली हो जाएगी, और काटकर गिराई जाएगी; और उस पर का बोझ गिर जाएगा।

यशायाह 23:1

अध्याय 23 में किसके विषय में भारी वचन था?

अध्याय 23 में सोर के विषय में भारी वचन था।

यशायाह 23:1 (#2)

तर्शीश के जहाजों को हाय हाय क्यों करनी चाहिए?

उन्हें हाय हाय करनी चाहिए क्योंकि वह उजड़ गया; वहाँ न तो कोई घर और न कोई शरण का स्थान है।

यशायाह 23:3

सोर का नगर क्या था?

सोर जातियों के लिये व्यापार का स्थान था।

यशायाह 23:5

जब मिस्र सोर का समाचार सुनेगा, तब वह क्या करेगा?

जब मिस्र सोर का समाचार सुनेगा, तब वह संकट में पड़ेगा ।

यशायाह 23:8–9

सोर के विरुद्ध किसने ऐसी युक्ति की हैं?

सेनाओं के यहोवा ही ने ऐसी युक्ति सोर के विरुद्ध की हैं।

यशायाह 23:9

सेनाओं के यहोवा ने सोर के विरुद्ध ऐसी युक्ति क्यों की हैं?

उन्होंने ऐसी युक्ति की है कि समस्त गौरव के घमण्ड को तुच्छ कर दे और पृथ्वी के प्रतिष्ठितों का अपमान करवाए।

यशायाह 23:15

सोर कब तक बिसरा हुआ रहेगा?

उस समय, सोर सत्तर वर्ष तक बिसरा हुआ रहेगा।

यशायाह 23:17

सत्तर वर्ष तक बिसरा दिए जाने के बाद सोर के साथ क्या होगा?

यहोवा सोर की सुधि लेंगे, और वह फिर छिनाले की कमाई पर मन लगाकर धरती भर के सब राज्यों के संग छिनाला करेंगी।

यशायाह 23:18

सोर के व्यापार की प्राप्ति, और उसके छिनाले की कमाई का क्या होगा?

उसके व्यापार की प्राप्ति, और उसके छिनाले की कमाई, यहोवा के लिये पवित्र की जाएगी।

यशायाह 23:18 (#2)

सोर के व्यापार की प्राप्ति का क्या होगा?

यह उन्हीं के काम में आएगी जो यहोवा के सामने रहा करेंगे, कि उनको भरपूर भोजन और चमकीला वस्त्र मिले।

यशायाह 24:1

यहोवा क्या करने पर हैं?

वे पृथ्वी को निर्जन और सुनसान करने पर हैं, वे उसको उलटकर उसके रहनेवालों को तितर-बितर करेंगे।

यशायाह 24:5

पृथ्वी अपने रहनेवालों के कारण कैसे अशुद्ध हो गई है?

पृथ्वी अपने रहनेवालों के कारण अशुद्ध हो गई है, क्योंकि उन्होंने व्यवस्था का उल्लंघन किया और विधि को पलट डाला, और सनातन वाचा को तोड़ दिया है।

यशायाह 24:6

पृथ्वी के रहनेवाले का क्या होता है?

वे भस्म होंगे और थोड़े ही मनुष्य रह जाएँगे।

यशायाह 24:13

उस समय पृथ्वी पर देश-देश के लोगों में कैसे होगा, यह दिखाने के लिये यशायाह कौन-सी उपमा का प्रयोग करते हैं?

वह उस समय पृथ्वी की दशा की तुलना इस प्रकार करते हैं जैसा कि जैतून के झाड़ने के समय, या दाख तोड़ने के बाद कोई-कोई फल रह जाते हैं।

यशायाह 24:14

इस सारी विपत्ति के बीच "वे लोग" क्या करेंगे?

वे लोग गला खोलकर जयजयकार करेंगे, और यहोवा के माहात्म्य को देखकर समुद्र से ललकारेंगे।

यशायाह 24:16

गीत की ध्वनि और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम की महिमा और बड़ाई की पुकार सुनकर यशायाह ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

यशायाह ने कहा, "हाय, हाय! मैं नाश हो गया, नाश! क्योंकि विश्वासघाती विश्वासघात करते, वे बड़ा ही विश्वासघात करते हैं।"

यशायाह 24:21

उस समय यहोवा किसे दण्ड देंगे?

यहोवा आकाश की सेना को आकाश में और पृथ्वी के राजाओं को पृथ्वी ही पर दण्ड देंगे।

यशायाह 24:22

आकाश की सेना को आकाश में और पृथ्वी के राजाओं को पृथ्वी ही पर क्या दण्ड मिलेगा?

वे बन्दियों के समान गड्ढे में इकट्ठे किए जाएँगे और बन्दीगृह में बन्द किए जाएँगे; और बहुत दिनों के बाद उनकी सुधि ली जाएगी।

यशायाह 24:23

चन्द्रमा संकुचित क्यों हो जाएगा और सूर्य लज्जित क्यों होगा?

यह इसलिये होगा क्योंकि सेनाओं का यहोवा सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में अपनी प्रजा के पुरनियों के सामने प्रताप के साथ राज्य करेंगे।

यशायाह 25:1

यशायाह ने यहोवा को क्यों सराहा और धन्यवाद किया?

यशायाह ने यहोवा को सराहा और धन्यवाद किया क्योंकि यहोवा ने आश्चर्यकर्मों किए थे, उन्होंने प्राचीनकाल से पूरी सच्चाई के साथ युक्तियाँ की थीं।

यशायाह 25:2

यहोवा ने कौनसे आश्चर्यकर्म किए थे?

यहोवा ने नगर को ढेर बना डाला, और उस गढ़वाले नगर को खण्डहर कर डाला है; उन्होंने परदेशियों की राजपुरी को ऐसा उजाड़ा कि वह नगर नहीं रहा; वह फिर कभी बसाया न जाएगा।

यशायाह 25:3

यहोवा नगर को ढेर, आदि बना डालने के बाद प्रतिक्रिया क्या होगी?

बलवन्त राज्य के लोग यहोवा की महिमा करेंगे; भयंकर जातियों के नगरों में उनका भय माना जाएगा।

यशायाह 25:6–7

यहोवा पर्वत पर सब देशों के लोगों के लिये और उनके साथ क्या करेंगे?

वे सब देशों के लोगों के लिये भोज तैयार करेंगे जिसमें भाँति-भाँति का चिकना भोजन होगा और जो परदा सब देशों के लोगों पर पड़ा है, जो घूँघट सब जातियों पर लटका हुआ है, उसे वे इसी पर्वत पर नाश करेंगे।

यशायाह 25:8

यहोवा अपनी प्रजा के लिये क्या नाश करेंगे, पोंछ डालेंगे और दूर करेंगे?

वे मृत्यु का नाश करेंगे, सभी के मुख पर से आँसू पोंछ डालेंगे और अपनी प्रजा की नामधराई सारी पृथ्वी पर से दूर करेंगे।

यशायाह 25:9

उस समय क्या कहा जाएगा?

यह कहा जाएगा: "देखो, हमारा परमेश्वर यही है; हम इसी की बाट जोहते आए हैं, कि वह हमारा उद्धार करे। यहोवा यही है; हम उसकी बाट जोहते आए हैं। हम उससे उद्धार पाकर मगन और आनन्दित होंगे।"

यशायाह 25:10

मोआब की दशा की तुलना किससे की गई है?

मोआब की दशा की तुलना उस पुआल से की जाती है, जो घूरे लताड़ा जाता है।

यशायाह 26:1

उस समय यह गीत कहाँ गाया जाएगा?

यह गीत यहूदा देश में गाया जाएगा।

यशायाह 26:1 (#2)

परमेश्वर ने नगर को कैसे दृढ़ किया है?

उन्होंने उद्धार का काम देने के लिये उसकी शहरपनाह और गढ़ को नियुक्त किया हैं।

यशायाह 26:2

नगर के फाटकों को किनके लिये खोले जाएँगे?

सच्चाई का पालन करनेवाली एक धर्मी जाति के लिये फाटक खोले जाएँगे।

यशायाह 26:4

हमें किस पर भरोसा रखना चाहिए और हमें कब तक भरोसा रखना चाहिए?

हमें यहोवा पर हमेशा भरोसा रखना चाहिए।

यशायाह 26:5-6

ऊँचे पदवाले, जो नगर ऊँचे पर बसा है, उनका क्या होगा?

यहोवा उन्हें झुका देते; जो नगर ऊँचे पर बसा है उसको वे नीचे कर देते हैं। वह पाँवों से, वरन् दरिद्रों के पैरों से रौंदा जाएगा।

यशायाह 26:8

हमारे प्राणों में लालसा किसकी बनी रहती है?

यहोवा के नाम के स्मरण की हमारे प्राणों में लालसा बनी रहती है।

यशायाह 26:9

जब न्याय के काम पृथ्वी पर प्रगट होते हैं, तब क्या होता है?

जब न्याय के काम प्रगट होते हैं, तब जगत के रहनेवाले धार्मिकता को सीखते हैं।

यशायाह 26:10

जब दुष्ट पर दया की जाएगी, तब भी वह क्या करेगा?

वह धार्मिकता को नहीं सीखेगा।

यशायाह 26:12

यहोवा ने यहूदा के लिये क्या किया है और वे यहूदा के लिये क्या ठहराएँगे?

यहोवा हमने जो कुछ किया है उसे आप ही ने हमारे लिये किया है और यहूदा के लिये शान्ति ठहराएँगे।

यशायाह 26:13-14

यहूदा पर प्रभुता करने वाले अन्य स्वामियों का क्या हुआ?

वे मर गए हैं, फिर कभी जीवित नहीं होंगे; उनको मरे बहुत दिन हुए, वे फिर नहीं उठने के। यहोवा ने उनका विचार करके उनको नाश किया हैं।

यशायाह 26:16

यहूदा ने यहोवा को कब स्मरण किया?

उन्होंने दुःख में यहोवा को स्मरण किया; जब यहोवा उन्हें ताड़ना देते थे।

यशायाह 26:19

मिट्टी में बसनेवालें को क्यों जागकर जयजयकार करना चाहिए?

उन्हें जागकर जयजयकार करना चाहिए क्योंकि मरे हुए लोग जीवित होंगे, वे उठ खड़े होंगे।

यशायाह 26:20

लोगों को अपनी-अपनी कोठरी में प्रवेश करके किवाड़ों को बन्द करने के लिये क्यों कहा गया है?

उन्हें ऐसा इसलिए करना है ताकि जब तक क्रोध शान्त न हो तब तक वे अपने आपको छिपा रखे।

यशायाह 26:21

यहोवा क्या करने वाले हैं?

यहोवा पृथ्वी के निवासियों को अधर्म का दण्ड देने के लिये अपने स्थान से चले आते हैं।

यशायाह 27:1

उस समय यहोवा अपनी तलवार से क्या करेंगे?

यहोवा लिव्यातान नामक सर्प को दण्ड देंगे, और जो अजगर समुद्र में रहता है उसको भी घात करेंगे।

यशायाह 27:2-3

उस समय यहोवा दाख की बारी के साथ क्या करेंगे?

वे उसकी रक्षा करेंगे, क्षण-क्षण उसको सींचते रहेंगे और रात-दिन उसकी रक्षा करते रहेंगे।

यशायाह 27:4–5

भाँति-भाँति के कटीले पेड़ उनके शरण नहीं लेते और उनके साथ मेल नहीं करते, तब यहोवा क्या करेंगे?

यहोवा उन पर पाँव बढ़ाकर उनको पूरी रीति से भस्म कर देंगे।

यशायाह 27:6

भविष्य में याकूब और इस्राएल क्या करेंगे?

याकूब जड़ पकड़ेंगे; और इस्राएल फूले-फलेंगे, और उनके फलों से जगत भर जाएगा।

यशायाह 27:9

याकूब के पाप के दूर होने का प्रतिफल क्या होगा?

वे वेदी के सब पत्थरों को चूना बनाने के पत्थरों के समान चकनाचूर करेंगे, और अशेरा और सूर्य की प्रतिमाएँ फिर खड़ी न रहेंगी।

यशायाह 27:11

इस्राएल के कर्ता उन पर दया क्यों नहीं करेंगे?

क्योंकि ये लोग निर्बुद्धि हैं; इसलिए यहोवा उन पर दया नहीं करेंगे।

यशायाह 27:12

उस समय इस्राएली कैसे इकट्ठे किए जाएँगे?

उन्हें एक-एक करके इकट्ठे किए जाएँगे।

यशायाह 27:13

कौन यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा को दण्डवत् करेंगे?

अश्शूर देश में नाश हो रहे थे और जो मिस्र देश में बरबस बसाए हुए थे वे यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा को दण्डवत् करेंगे।

यशायाह 28:1

एप्रैम का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

एप्रैम का वर्णन घमण्डी और मतवाले के रूप में किया गया है।

यशायाह 28:1 (#2)

एप्रैम की सुन्दरता को क्या हो रहा है?

एप्रैम की सुन्दरता मुर्झा रही है।

यशायाह 28:2

प्रभु के बल और सामर्थ की तुलना किससे की गई है?

उनकी तुलना ओले की वर्षा या उजाड़नेवाली आँधी या बाढ़ की प्रचण्ड धार से की गई है।

यशायाह 28:2 (#2)

प्रभु का बल और सामर्थ क्या करेंगे?

वे उसको कठोरता से भूमि पर गिरा देंगे।

यशायाह 28:4

एप्रैम की भड़कीली सुन्दरता का मुर्झानेवाला फूल की तुलना किससे की जा सकती है?

वह ग्रीष्मकाल से पहले पके अंजीर के समान होगा, जिसे देखनेवाला देखते ही हाथ में ले और निगल जाए।

यशायाह 28:5–6

उस समय यहोवा अपनी प्रजा के बचे हुओं के लिये क्या ठहरेंगे?

यहोवा सुन्दर और प्रतापी मुकुट ठहरेंगे, और जो न्याय करने को बैठते हैं उनके लिये न्याय करनेवाली आत्मा और जो चढ़ाई करते हुए शत्रुओं को नगर के फाटक से हटा देते हैं, उनके लिये वे बल ठहरेंगे।

यशायाह 28:7

कौन दाखमधु के कारण डगमगाते और मदिरा से लड़खड़ाते हैं?

यहोवा की अपनी प्रजा के बचे हुए, याजक और नबी।

यशायाह 28:7 (#2)

याजक और नबी किसमें भटक जाते और भूल करते हैं?

वे दर्शन पाते हुए भटके जाते, और न्याय में भूल करते हैं।

यशायाह 28:11

यहोवा इन लोगों से कैसे बातें करेंगे?

वे उनसे परदेशी होठों और विदेशी भाषावालों के द्वारा बातें करेंगे।

यशायाह 28:12

जब यहोवा ने उनसे कहा, तब क्या हुआ?

उन्होंने सुनना न चाहा।

यशायाह 28:13

अब जब यह लोग यहोवा का वचन सुनेंगे, तब परिणाम क्या होगा?

वे ठोकर खाकर चित्त गिरेंगे और घायल हो जाएँगे, और फंदे में फँसकर पकड़े जाएँगे।

यशायाह 28:15

यरूशलेमवासी प्रजा के हाकिमों ने क्या कहा?

उन्होंने कहा कि उन्होंने मृत्यु से वाचा बाँधी और अधोलोक से प्रतिज्ञा कराई थी; इस कारण विपत्ति जब बाढ़ के समान बढ़ आए तब उनके पास न आएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने झूठ की शरण ली और मिथ्या की आड़ में छिप गए थे।

यशायाह 28:16

प्रभु यहोवा सिय्योन में क्या रखेंगे?

वे एक नींव का पत्थर रखेंगे, एक परखा हुआ पत्थर, कोने का अनमोल और अति दृढ़ नींव के योग्य पत्थर।

यशायाह 28:16 (#2)

यदि वे इस नींव के पत्थर पर विश्वास रखें, तो क्या होगा?

यदि वे इस नींव के पत्थर पर विश्वास रखें, तो वे उतावली नहीं करेंगे।

यशायाह 28:17

झूठ का शरणस्थान और छिपने के स्थान का क्या होगा?

झूठ का शरणस्थान ओलों से बह जाएगा, और छिपने का स्थान जल से डूब जाएगा।

यशायाह 28:18

यरूशलेमवासी प्रजा के हाकिमों ने जो मृत्यु से वाचा बाँधी और अधोलोक से प्रतिज्ञा कराई है, उसका क्या होगा?

वह वाचा टूट जाएगी और प्रतिज्ञा न ठहरेगी, और जब विपत्ति बाढ़ के समान बढ़ आए, तब वे उसमें डूब ही जाएँगे।

यशायाह 28:22

यशायाह क्या कहते हैं कि ठट्ठा करने के क्या परिणाम होंगे?

वह उन्हें चेतावनी देते हैं कि ठट्ठा न करें, नहीं तो उनके बन्धन कसे जाएँगे।

यशायाह 29:1

अरीएल क्या है?

अरीएल वह नगर है जिसमें दाऊद छावनी किए हुए रहे।

यशायाह 29:3-4

यहोवा अरीएल का क्या करेंगे?

वे अरीएल को कोटों से घेर लेंगे और उसे गिराकर भूमि में डाला जाएगा।

यशायाह 29:5

अरीएल को गिराकर भूमि में डालना, कितना समय लगेगा ?

यह अचानक होगा।

यशायाह 29:7

कौन अरीएल से युद्ध करेगी और उसके गढ़ के विरुद्ध लड़ेंगे?

जातियों की सारी भीड़ अरीएल से युद्ध करेगी।

यशायाह 29:10

यहोवा ने अरीएल को किसमें डाल दिया है?

उन्होंने ने उनको भारी नींद में डाल दिया है।

यशायाह 29:10 (#2)

भारी नींद में डाल देने से, उन पर क्या होता है?

उन्होंने नबीरूपी आँखों को बन्द कर दिया है और दर्शीरूपी सिरों पर परदा दिया है।

यशायाह 29:13

इन लोगों के विरुद्ध प्रभु की कुड़कुड़ाहट क्या थी?

प्रभु ने कहा, "ये लोग जो मुँह से मेरा आदर करते हुए समीप आते परन्तु अपना मन मुझसे दूर रखते हैं, और जो केवल मनुष्यों की आज्ञा सुन सुनकर मेरा भय मानते हैं।"

यशायाह 29:14

चूँकि वे अपना मन प्रभु से दूर रखते हैं और वे उनका आदर नहीं करते, इसलिए प्रभु उनके साथ क्या करेंगे?

वे बुद्धिमानों की बुद्धि नष्ट कर देंगे और प्रवीणों की प्रवीणता जाती रहेगी।

यशायाह 29:17

थोड़े ही दिनों के बीतने पर लबानोन के साथ क्या होने वाला है?

लेबनान एक फलदाई बारी बन जाएगा और वह फलदाई बारी जंगल में गिनी जाएगी।

यशायाह 29:18

उस समय बहरे और अंधे क्या करेंगे?

बहरे पुस्तक की बातें सुनने लगेंगे और अंधे जिन्हें अभी कुछ नहीं सूझता, वे देखने लगेंगे।

यशायाह 29:19

नम्र लोग और दरिद्र मनुष्य क्या करेंगे?

वे यहोवा के कारण फिर आनन्दित होंगे और इस्राएल के पवित्र के कारण मगन होंगे।

यशायाह 29:20

जो अनर्थ करने के लिये जागते रहते हैं, उनका क्या होगा?

वे सब मिट जाएँगे।

यशायाह 29:23

याकूब के घराने यहोवा के नाम को कब पवित्र ठहराएँगे?

वे यहोवा के नाम को पवित्र ठहराएँगे जब उनके सन्तान यहोवा के काम देखेंगे, जो उन्होंने उनके बीच में की है।

यशायाह 29:24

जिनका मन भटका हो और जो कुड़कुड़ाते हैं, उनका क्या होगा?

जिनका मन भटका हो वे बुद्धि प्राप्त करेंगे, और जो कुड़कुड़ाते हैं वह शिक्षा ग्रहण करेंगे।

यशायाह 30:1

यहोवा ने कहा कि बलवा करनेवाले लड़के क्या करते हैं?

उन्होंने कहा कि वे युक्ति तो करते परन्तु उनकी ओर से नहीं; वाचा तो बाँधते परन्तु उनकी आत्मा के सिखाए नहीं; और इस प्रकार पाप पर पाप बढ़ाते हैं।

यशायाह 30:2

बलवा करनेवाले लड़के किसकी रक्षा में रह रहे हैं?

वे फ़िरौन की रक्षा में रह रहे और मिस्र की छाया में शरण ले रहे हैं।

यशायाह 30:3

बलवा करनेवाले लड़कों के लिये फ़िरौन का शरणस्थान और मिस्र की छाया क्या होगी?

फ़िरौन का शरणस्थान लज्जा का, और मिस्र की छाया उनके लिये निन्दा का कारण होगा।

यशायाह 30:7

बलवा करनेवाले लड़कों के लिये मिस्र की सहायता कितनी मूल्यवान है?

मिस्र की सहायता व्यर्थ और निकम्मी है।

यशायाह 30:8

यहोवा क्यों चाहते हैं कि यशायाह इसको उनके सामने पटिया पर खोद, और पुस्तक में लिखे?

यहोवा चाहते हैं कि वह भविष्य के लिये वरन् सदा के लिये साक्षी बनी रहे।

यशायाह 30:9

बलवा करनेवाले लोग क्या सुनना नहीं चाहते?

वे यहोवा की शिक्षा को सुनना नहीं चाहते।

यशायाह 30:10

बलवा करनेवाले लड़के क्या सुनना चाहते हैं?

वे चिकनी-चुपड़ी बातें और धोखा देनेवाली नबूवत सुनना चाहते हैं।

यशायाह 30:15

यहोवा कहते हैं कि बलवा करनेवाले लड़कों का उद्धार और वीरता किसमें हैं?

यहोवा कहते हैं कि लौट आने और शान्त रहने में उनका उद्धार है; शान्त रहने और भरोसा रखने में उनकी वीरता है।

यशायाह 30:16

बलवा करनेवाले लड़कों ने यहोवा को क्या उत्तर दिया?

उन्होंने कहा, "नहीं, हम तो घोड़ों पर चढ़कर भागेंगे।" और, "हम तेज सवारी पर चलेंगे।"

यशायाह 30:16 (#2)

घोड़ों पर चढ़कर भागने और तेज सवारी पर चलने के विषय में बलवा करनेवाले लड़कों के कथन पर यहोवा का उत्तर क्या है?

यहोवा बलवा करनेवाले लड़कों को उत्तर देते हैं कि वे भागेंगे, उनका पीछा करनेवाले उससे भी तेज होंगे।

यशायाह 30:17

यहोवा ने कहा कि एक ही की धमकी से कितने भागेंगे?

यहोवा ने कहा कि एक ही की धमकी से एक हजार भागेंगे।

यशायाह 30:18

यहोवा क्या करने में विलम्ब करते हैं और किसके लिये ऊँचे उठेंगे?

वे बलवा करनेवाले लड़कों पर अनुग्रह करने और उन पर दया करने में विलम्ब करते हैं।

यशायाह 30:18 (#2)

वे जो यहोवा पर आशा लगाए रहते हैं, उनका क्या होता है?

वे धन्य होंगे।

यशायाह 30:20

चाहे प्रभु उन्हें विपत्ति की रोटी और दुःख का जल भी दे, तो भी उनके उपदेशक क्या न होंगे?

उनके उपदेशक फिर न छिपें, और वे अपनी आँखों से अपने उपदेशकों को देखते रहेंगे।

यशायाह 30:22

बलवा करनेवाले लड़के अपनी खुदी हुई मूर्तियों और सोने से ढली हुई मूर्तियों के साथ क्या करेंगे?

वे उनको अशुद्ध करेंगे और उन्हें फेंक देंगे।

यशायाह 30:26

उस महासंहार के समय जब गुम्मट गिर पड़ेंगे, तब यहोवा अपनी प्रजा के लोगों के लिये क्या करेंगे?

यहोवा अपनी प्रजा के लोगों का घाव बाँधेंगे और उनकी चोट चंगा करेंगे।

यशायाह 30:30

यहोवा अपनी प्रतापीवाणी को कैसे प्रगट करेंगे और अपने भुजबल को कैसे दिखाएँगे?

वे उन्हें अपने क्रोध भड़काते और आग की लौ से भस्म करते हुए, और प्रचण्ड आँधी और अति वर्षा और ओलों के साथ प्रगट करेंगे।

यशायाह 30:31

यहोवा के शब्द और उनका भुजबल किसकी ओर होंगे?

वे अश्शूर की ओर होंगे। अश्शूर यहोवा के शब्द की शक्ति से नाश हो जाएगा, वे उसे सोंटे से मारेंगे।

यशायाह 30:32

जब जब यहोवा उसको दण्ड देंगे, तब-तब साथ में क्या होगा?

तब-तब साथ ही डफ और वीणा बजेंगी; और यहोवा हाथ बढ़ाकर उसको लगातार मारते रहेंगे।

यशायाह 30:33

अश्शूर के राजा के लिये क्या तैयार किया गया है?

अश्शूर के राजा के लिये तोपेत तैयार किया गया है।

यशायाह 30:33 (#2)

अश्शूर के राजा के लिए तैयार की गई आग को कौन प्रज्वलित करेगा?

यहोवा की सांस इसे प्रज्वलित करेगी।

यशायाह 40:2

परमेश्वर अपने लोगों को शान्ति देने के लिए क्या कहते हैं?

वह यरूशलेम से शान्ति से बात करके उन्हें शान्ति देने के लिए कहते हैं, और उसे पुकारकर कहते हैं की उसकी कठिन सेवा पूरी हुई है और उसका अधर्म का दण्ड अंगीकार किया गया है और यहोवा के हाथ से वह अपने सब पापों का दूना दण्ड पा चुका है।

यशायाह 40:3

किसी की पुकार में क्या सुनाई देती है?

किसी की पुकार यह सुनाई देती है, “जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारो, हमारे परमेश्वर के लिये अराबा में एक राजमार्ग चौरस करो।”

यशायाह 40:4

इस्राएल की भूमि में क्या परिवर्तन होगा?

हर एक तराई भर दी जाए और हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दी जाए; जो टेढ़ा है वह सीधा और जो ऊँचा नीचा है वह चौरस किया जाए।

यशायाह 40:5

यहोवा का तेज किस पर प्रकट होगा?

सब प्राणी यहोवा के तेज को एक संग देखेंगे।

यशायाह 40:8

क्या सदैव अटल रहेगा?

हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा।

यशायाह 40:9

यरूशलेम और यहूदा के नगरों को कौन सी शुभ समाचार सुनाई जानी थी?

शुभ समाचार यह था की, "अपने परमेश्वर को देखो!"

यशायाह 40:10

प्रभु यहोवा कैसे आ रहा है?

प्रभु यहोवा सामर्थ्य दिखाता हुआ आ रहा है।

यशायाह 40:10 (#2)

यहोवा जब आ रहा है तो उसके पास क्या है?

यहोवा जब आ रहा है, तो जो मजदूरी देने की है वह उसके के पास है और जो बदला देने का है वह उसके हाथ में है।

यशायाह 40:15

यहोवा के लिए जातियाँ क्या तुल्य ठहरीं?

यहोवा के लिए जातियाँ तो डोल की एक बूँद या पलड़ों पर की धूल के तुल्य ठहरीं।

यशायाह 40:22

परमेश्वर कहाँ विराजमान हैं?

परमेश्वर पृथ्वी के घेरे के ऊपर आकाशमण्डल पर विराजमान है।

यशायाह 40:23

परमेश्वर बड़े-बड़े हकीमों के साथ क्या करते हैं?

परमेश्वर बड़े-बड़े हाकिमों को तुच्छ कर देते हैं, और पृथ्वी के अधिकारियों को शून्य के समान कर देते हैं।

यशायाह 40:26

यहोवा इन गणों के साथ क्या करते हैं?

वह इन गणों को गिन-गिनकर निकालते हैं और उन सब को नाम ले लेकर बुलाते हैं। वह ऐसा सामर्थी और अत्यन्त बलवन्त है कि उनमें से कोई बिना आए नहीं रहता।

यशायाह 40:28

यहोवा कौन है और वह कैसा है?

यहोवा सनातन परमेश्वर और पृथ्वी भर का सृजनहार है, वह न थकता, न श्रमित होता है, उसकी बुद्धि अगम है।

यशायाह 40:29

यहोवा थके हुए को और शक्तिहीन को क्या देता है?

यहोवा थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ्य देता है।

यशायाह 40:31

जो यहोवा की बाट जोहते हैं, उनके साथ क्या होगा?

जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

यशायाह 41:1

यहोवा किस उद्देश्य से उन्हें कहते हैं, "हम आपस में एक दूसरे के समीप आएँ"?

यहोवा उन्हें कहते हैं कि हम आपस में न्याय के लिये एक दूसरे के समीप आएँ।

यशायाह 41:4

आदि से पीढ़ियों को कौन बुलाता आया है?

आदि से पीढ़ियों को यहोवा ही बुलाता आया है?

यशायाह 41:5–7

वे द्वीप जो देखकर डरते हैं, और पृथ्वी के दूर देश जो काँप उठे, उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

उनकी प्रतिक्रिया यह है कि वे निकट आ गए और वे एक दूसरे की सहायता करते हैं और उनमें से एक अपने भाई से कहता है, “हियाव बाँध!” अतः वह कील ठोंक-ठोंककर मूर्ति को ऐसा दृढ़ करता है कि वह स्थिर रहे।

यशायाह 41:8–9

यहोवा इस्राएल को क्या कहता है?

यहोवा इस्राएल को अपना दास कहता है, अब्राहम के वंश को अपना मित्र कहता है, और याकूब को अपना चुना हुआ कहता है।

यशायाह 41:9

यहोवा इस्राएल के लिए क्या कहता है कि वह कर रहा है?

यहोवा कहता है कि वह इस्राएल को पृथ्वी के छोर से बुला रहा है।

यशायाह 41:10

यहोवा इस्राएल से क्या न करने के लिए कहता है और क्यों?

यहोवा इस्राएल से कहता है कि मत डर, क्योंकि यहोवा उनके संग है, इधर-उधर मत ताक, क्योंकि वह उनका परमेश्वर है।

यशायाह 41:10 (#2)

यहोवा और क्या कहता है कि वह इस्राएल के लिए करेंगे?

यहोवा कहते है कि वह उन्हें दृढ़ करेंगे, उनकी सहायता करेंगे, और अपने धर्ममय दाहिने हाथ से उन्हें सम्भाले रहेंगे।

यशायाह 41:11

जो इस्राएल से क्रोधित हैं और जो उससे झगड़ते हैं, उनका साथ क्या होगा?

वे लज्जित होंगे और उनके मुँह काले होंगे और वे नाश होकर मिट जाएँगे।

यशायाह 41:16

जब इस्राएल उन लोगों को फटकेगा और पवन उन्हें उड़ा ले जाएगी, और आँधी उन्हें तितर-बितर कर देगी, तब इस्राएल क्या करेगा?

इस्राएल यहोवा के कारण मगन होगा, और इस्राएल के पवित्र के कारण बड़ाई मारेगा।

यशायाह 41:17–18

जब दीन और दरिद्र लोग जल ढूँढ़ने पर भी न पाएँ, तब यहोवा क्या करेगा?

यहोवा कहता है कि वह उनकी विनती सुनेगा, वह मुँण्ड़े टीलों से भी नदियाँ और मैदानों के बीच में सोते बहाएगा, जंगल को ताल और निर्जल देश को सोते ही सोते कर देगा। वह उन्हें त्याग न देगा।

यशायाह 41:21

यहोवा मूर्तियों का अनुसरण करने वालों से क्या कहता है?

यहोवा कहते है, “अपना मुकद्दमा लड़ो, और अपने प्रमाण दो।”

यशायाह 41:22

यहोवा क्या प्रमाण माँगता है ताकि जो मूर्तियों का पालन करते हैं सोचकर जान सके कि भविष्य में उनका क्या फल होगा?

यहोवा कहते है कि भविष्य में क्या घटेगा बताएँ, और पूर्वकाल की घटनाएँ बताएँ की आदि में क्या-क्या हुआ जिससे लोग सोचकर जान सके कि भविष्य में उनका क्या फल होगा।

यशायाह 41:24

यहोवा मूर्तियों और उन्हें चाहने वाले लोगों के बारे में क्या कहता है?

यहोवा कहते है कि मूर्तियाँ कुछ भी नहीं हैं, उनसे कुछ नहीं बनता, और जो कोई उन्हें चाहता है वह घृणित है।

यशायाह 41:25–26

मूर्तिपूजकों में से कौन बतानेवाला या सुनानेवाला है कि एक उत्तर दिशा से उभारा, आ गया है और जैसा कुम्हार गीली मिट्टी को लताड़ता है, वैसा ही वह हाकिमों को कीच के समान लताड़ देगा?

कोई भी बतानेवाला नहीं, उनकी बातों का कोई भी सुनानेवाला नहीं है।

यशायाह 41:27

यहोवा ने पहले सिय्योन से क्या कहा?

यहोवा ही ने पहले सिय्योन से कहा, “देख, उन्हें देख,” और उन्होंने यरूशलेम को एक शुभ समाचार देनेवाला भेजा।

यशायाह 41:28–29

इस अध्याय में मूर्तियों की उपासना करने वालों के बारे में यहोवा के अंतिम वचन क्या हैं?

यहोवा कहते हैं कि: "मैंने देखने पर भी किसी को न पाया; उनमें कोई मंत्री नहीं जो मेरे पूछने पर कुछ उत्तर दे सके। सुनो, उन सभी के काम अनर्थ हैं; उनके काम तुच्छ हैं, और उनकी ढली हुई मूर्तियाँ वायु और मिथ्या हैं।"

यशायाह 42:1

यहोवा अपने दास के लिए क्या कहता है कि उसने किया है?

यहोवा कहते है कि उसने अपने दास को चुना है, जिससे उसका जी प्रसन्न है और उसने उस पर अपना आत्मा रखा है।

यशायाह 42:1 (#2)

यहोवा क्या कहता है कि उसका दास जाति-जाति के लिए क्या प्रगट करेगा?

यहोवा कहते है कि उसका दास जाति-जाति के लिये न्याय प्रगट करेगा।

यशायाह 42:3

यहोवा का दास कुचले हुए नरकट या टिमटिमाती बत्ती के साथ क्या नहीं करेगा?

यहोवा कहते है कि उसका दास कुचले हुए नरकट को न तोड़ेगा और न टिमटिमाती बत्ती को बुझाएगा।

यशायाह 42:5

यहोवा स्वयं का वर्णन कैसे करता है?

वह स्वयं को इस प्रकार वर्णित करता है कि वह आकाश का सृजने और माननेवाला है, जो उपज सहित पृथ्वी का फैलानेवाला और उस पर के लोगों को साँस और उस पर के चलनेवालों को आत्मा देनेवाला वह है।

यशायाह 42:7

यहोवा अपने चुने हुए दास के माध्यम से अंधों और बन्दियों के लिए क्या करना चाहता था?

यहोवा चाहता था कि उसका दास अंधों की आँखें खोले, बन्दियों को बन्दीगृह से निकाले, और जो अंधकार में बैठे हैं उनको कालकोठरी से निकाले।

यशायाह 42:8

यहोवा क्या कहता है कि वह न देगा?

वह कहता है कि वह अपनी महिमा दूसरे को न देगा, और अपनी स्तुति खुदी हुई मूरतों को न देगा।

यशायाह 42:9

अपनी महिमा को और प्रगट करने के लिए यहोवा क्या कहता है कि वह करेगा?

यहोवा कहता है कि वह नई बातें बताएगा और उनके होने से पहले उन्हें सुनाएगा।

यशायाह 42:13

यहोवा अपने शत्रुओं के साथ क्या करेगा?

यहोवा वीर के समान निकलेगा, योद्धा के समान अपनी जलन भड़काएगा, ऊँचे शब्द से ललकारेगा, और अपने शत्रुओं पर जयवन्त होगा।

यशायाह 42:16

यहोवा अंधों के लिए क्या करेगा?

यहोवा अंधों को एक मार्ग से ले चलेगा जिसे वे नहीं जानते, और उनको ऐसे पथों से चलाएगा जिन्हें वे नहीं जानते; उनके आगे अंधियारे को उजियाला करेगा, टेढ़े मार्गों को सीधा करेगा, और उन्हें न त्यागेगा।

यशायाह 42:17

जो लोग खुदी हुई मूरतों पर भरोसा रखते और ढली हुई मूरतों से कहते हैं, "तुम हमारे ईश्वर हो," उनका क्या होगा?

वे पीछे हटेंगे और अत्यन्त लज्जित होंगे।

यशायाह 42:18

बहरों और अंधों से क्या करने की आज्ञा दी गई?

बहरों को सुनने की आज्ञा दी गई और अंधों को आँखें खोलने की आज्ञा दी गई ताकि वे देख सकें।

यशायाह 42:20

यहोवा उसे सुनने और देखने की आज्ञा क्यों देता है?

यहोवा उसे इसलिए आज्ञा देता है क्योंकि वह बहुत सी बातों पर दृष्टि करता है परन्तु उन्हें देखता नहीं है; कान तो खुले हैं परन्तु सुनता नहीं है।

यशायाह 42:22

यहोवा ये लोग की स्थिति के बारे में क्या कहते है?

यहोवा ने कहा कि ये लोग लुट गए हैं, ये सब के सब गड्ढों में फँसे हुए और कालकोठरियों में बन्द किए हुए हैं; ये पकड़े गए और कोई इन्हें नहीं छुड़ाता; ये लुट गए और कोई आज्ञा नहीं देता कि उन्हें लौटा ले आओ।

यशायाह 42:24

किसने याकूब को लुटवाया और इस्राएल को लुटेरों के वश में कर दिया?

यहोवा ही ने यह किया।

यशायाह 42:24 (#2)

यहोवा ने क्यों याकूब को लुटवाया और इस्राएल को लुटेरों के वश में कर दिया?

यहोवा ने उन्हें इसलिए उनके वश में कर दिया क्योंकि उन्होंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया, यहोवा के मार्गों पर उन्होंने चलना न चाहा और न उसकी व्यवस्था को माना।

यशायाह 42:25

क्या इस्राएल ने समझा कि युद्ध का बल किसने उन पर चलाया और उसने ऐसा क्यों किया?

नहीं! यद्यपि आग उसके चारों ओर लग गई, तो भी वह न समझा; वह जल भी गया, तो भी न चेता।